GREEN LAWNS HIGH SCHOOL

PRELIMINARY EXAMINATION YEAR 2026

SUBJECT: HINDI **CLASS: X**

TIME: 3 HOURS **MARKS: 80**

---

*Answer to this paper must be written on the paper provided separately. You will not be allowed to write during the first **15 minutes**. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.*

*This paper comprises of **two** Sections: Section **A** and Sections **B**. Attempt All the questions from Section **"A"**. Attempt **four** questions from Section **" B"** answering at least **one** question each from the **two books.** You have studied and any **two** other questions from the same books you have compulsorily chosen. The intended marks for Questions or parts of Questions are given in brackets [ ] .*

Section—A (40 Marks)
Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words of any one of the following topics: -- **[15]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :-----

(I) "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार": यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति है। इस कथन की प्रासंगिकता को वर्तमान समय में महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के संदर्भ में समझाएँ। साथ ही, इसके कार्यान्वयन में आने वाली चुनौतियों और संभावित समाधानों पर भी प्रकाश डालें।"

(II) आज के संदर्भ में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) द्वारा संचालित रचनात्मक उपकरणों (जैसे- टेक्स्ट-टू-इमेज जनरेटर, AI संगीत कंपोजर) के मानव कला और सृजन की प्रक्रिया पर पड़ने वाले तात्कालिक और दीर्घकालिक प्रभावों पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(III) सोशल मीडिया युग में, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता (Freedom of Expression) और द्वेषपूर्ण भाषण (Hate Speech) के बीच की नाजुक सीमा को कैसे परिभाषित किया जा सकता है? इस अंतर को स्पष्ट करने के लिए कानूनी, सामाजिक और नैतिक मानदंडों का विश्लेषण कीजिए।

(IV) एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए, जिसमें आपके जीवन अनुभव से सिद्ध होता हो कि 'डर के आगे जीत है'।

(V) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

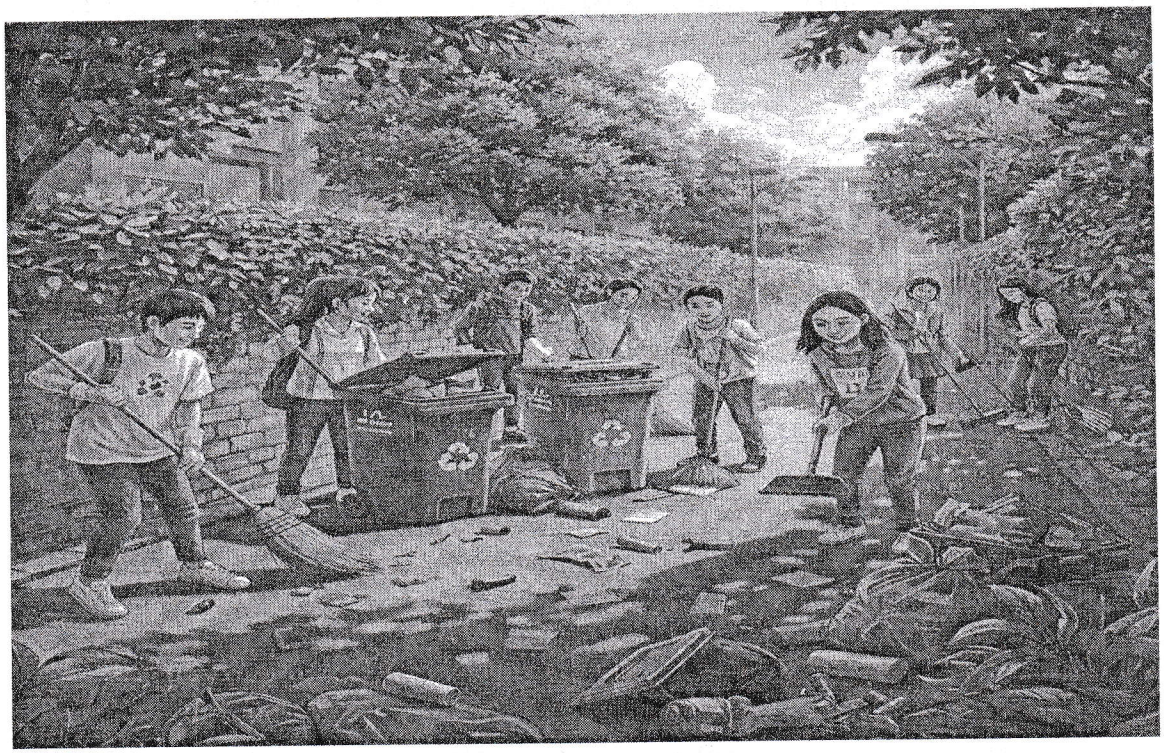

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below: -- [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:----

(i) अपने छोटे भाई को पैसे बचाने और वित्तीय रूप से जागरूक होने की सलाह देते हुए एक पत्र लिखना।

(ii) **एक दैनिक समाचार पत्र के संपादक को अपनी कविता प्रकाशित करवाने का अनुरोध करते हुए पत्र लिखिए।**

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: --

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे गए प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए । उत्तर यथा संभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :----

जीवन में वही मनुष्य सफल है, जो समय के साथ चलता है। कुछ लोग तो ऐसे दूरदर्शी होते हैं. जो आने वाले समय को पहले ही भाँप जाते हैं। ऐसे व्यक्ति अपनी योजना पहले ही बना लेते हैं तथा हर कसौटी पर सफल होते हैं। हमें अपना काम कभी भी समय के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। जैसी भी परिस्थिति क्यों न हो, हमें समय के साथ आगे बढ़ते हुए अपना काम पूरा करते रहना चाहिए। कल के भरोसे काम को छोड़ना समस्याओं को आमंत्रित करना है। समय बड़ा ही बलवान है। समय के अनुरूप चलने वाला गरीब से अमीर एवं समय को न भाँपने वाला अमीर से कंगाल भी बन जाता है। व्यापारी वर्ग हमेशा समय को ध्यान में रखकर अपना रोजगार शुरू करता है तथा धन लगाता है। यह कहा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में कुछ क्षण ऐसे आते हैं जिनसे उसके भाग्य का बनना और बिगड़ना तय होता है। अगर व्यक्ति ने समय की सही गति या दशा को समझ लिया, तब तो वह सफल हो गया, अन्यथा उसके हाथ केवल असफलता ही लगेगी। खेल-कूद खासकर दौड़ की प्रतियोगिता में समय ही निर्णायक होता है। अपने निर्दिष्ट लक्ष्य पर पहुँचने वाला धावक एक क्षण आगे पहुँच जाने पर ओलंपिक में मैडल पा जाता है। एक क्षण पहले अस्पताल में पहुँच जाने पर रोगी बच जाता है। कल्पना चावला का अंतरिक्ष यान कोलंबिया यदि कुछ मिनट और ठीक रहता तो शायद वह और उनके साथी अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित बच जाते। अतः हम कह सकते हैं कि मानव जीवन का सबसे बड़ा नियामक घटक समय ही है।

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत समझ ली, वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो किसी कार्य के पूरा न होने पर समय की दुहाई दिया करते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रहकर निठल्ले समय की कमी का बहाना बनाना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्य व्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने पर कार्य फलप्रद नहीं रहता। सूरज यदि समय पर उदय होना व अस्त होना बंद कर दे, वर्षा यदि समय पर न हो, किसान समय पर अनाज न बोए तो कैसी स्थिति हो जाएगी ? ठीक इसी प्रकार यदि विद्यार्थी समय की कीमत नहीं समझेगा

तो वह सफलता प्राप्त नहीं कर सकता। परीक्षा के समय यदि विद्यार्थी केवल परिश्रम करेगा और शेष दिन आराम करेगा तो उसे वांछित सफलता नहीं मिल सकती।

(I) समय को न भाँपने वाले और समय के अनुरूप चलने वाले व्यक्ति के बीच गद्यांश में क्या अंतर बताया गया है? [2]

(II) कुछ लोग कार्य पूरा न होने पर समय की दुहाई क्यों देते हैं? उनकी इस बात में वास्तविकता कितनी है, गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए। [2]

(III) गद्यांश के इस कथन "कल के भरोसे काम को छोड़ना समस्याओं को आमंत्रित करना है।" से आप कहाँ तक सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में दो तर्क दीजिए। [2]

(IV) गद्यांश में सफल व्यक्तियों की तुलना दूरदर्शी लोगों और व्यापारी वर्ग से क्यों की गई है? इन दोनों वर्गों की कौन-सी सामान्य विशेषता सफल जीवन के लिए महत्वपूर्ण है? [2]

(V) समय के सदुपयोग और दुरुपयोग के परिणामों को ध्यान में रखते हुए एक प्रभावी नीति/नियम बनाइए जो लोगों को समय पर काम पूरा करने के लिए प्रेरित करे। [2]

Question 4.

Answer the following according to the instructions given: - [8]

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए:|

i) " बुद्धि" का विशेषण बताइए:

(a) बुद्धिमान (b) बुद्धिवान (c) बुद्धिमता (d) बुद्धित्व

II) "जलना" का भाववाचक संज्ञा लिखिए:

(a) जलन (b) जलाना (c) जलवाना (d) जलाहट

III) ' अनिवार्य' का विलोम बताइए :

(a) इच्छुक (b) सनिवार्य (c) वैकल्पिक (d) कनिवार्य

IV) सरस्वती का पर्यायवाची शब्द लिखिए:

(a) शोभा-सुषमा (b) वारिधि अंबुधि (c) कमला-इंद्रा (d) शारदा-भारती

v) शुद्ध रूप बताइए :

(a) उज्जवल (b) उजजवल (c) उजज्वल (d) उज्ज्वल

vi) यह सरकार अल्पमत में है। ('नहीं' का प्रयोग करें, वाक्य का अर्थ न बदले)

(a) यह सरकार बहुमत में है।

(b) यह सरकार बहुमत में नहीं है।

(c) यह सरकार अल्पमत में नहीं है।

(d) यह सरकार बहुमत में ही है।

(vii) ' नाक रगड़ना' मुहावरे का अर्थ बताइए :

(a) माफी माँगना (b) माथा टेकना (c) मिन्नतें करना (d) झुक जाना

viii) <u>वर्षा न होने के कारण</u> सारी फसलें सूख गईं।

(रेखांकित वाक्यांश हेतु एक शब्द लिखिए)

(a) अतिवृष्टि के कारण सारी फसलें सूख गईं।

(b) अनावृष्टि के कारण सारी फसलें सूख गईं।

(c) अपवृष्टि के कारण सारी फसलें सूख गईं।

(d) अवृष्टि के कारण सारी फसलें सूख गईं।

SECTION – B [40 Marks]

(Attempt four questions from this Section)

(You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other question)

साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ
(Sahitya Sagar – Short Stories)

Question 5.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

सहसा सेठ के मुँह से निकला, "हाय! बेचारा न जाने कितने दिनों से भूखा है।'

उनके मन में आया, मेरा काम तो पानी से भी चल सकता है। इस बेचारे मूक औ बेबस जीव को एक रोटी और मिल जाए तो फिर निश्चय ही इसमें इतनी ताकत आ जाएगी कि किसी बस्ती तक पहुँच सकेगा।

(I) सेठ के विचार से, रोटी मिलने के बाद 'बेचारे मूक औ बेबस जीव' में क्या बदलाव आएगा? **[2]**

(II) कहानी का मुख्य उद्देश्य बताइए। **[2]**

(III) सेठ ने जीव की सहायता करते समय यह विचार क्यों नहीं किया कि **"मेरा क्या होगा?"** उनके चरित्र के संदर्भ में इस पर विचार कीजिए। **[3]**

(iv) क्या सेठ का अपना खाना छोड़कर, उस 'मूक औ बेबस जीव' को देना एक सही निर्णय था? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। **[3]**

Question 6.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम कर देनेवालों' पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है

(i) 'घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम कर देनेवालों' से क्या तात्पर्य है? [2]

(ii) लेखक को किस बात पर सबसे अधिक पीड़ा होती है? [2]

(iii) यदि कौम के सदस्य **'बिकने के मौके ढूँढ़ते' रहें,** तो आने वाली पीढ़ियों के लिए वे किस प्रकार की नैतिक विरासत (Moral Legacy) छोड़ेंगे? [3]

(iv) 'नेता जी का चश्मा' कहानी हमें क्या संदेश देती है? समझाकर लिखिए। [3]

Question 7.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

"ओह! आप चुप न रहेंगे? मैं कहती हूँ। यह व्यर्थ का संदेह आप मन से निकाल दीजिये या मेरे लिए संखिया मँगा दीजिए। छुट्टी हो।"।

(i) वक्ता अपने साथी से "व्यर्थ का संदेह मन से निकाल दीजिये" यह क्यों कह रही है? इसका क्या अर्थ है? [2]

(ii) इस अंश की वक्ता कौन है और उसकी परिस्थिति क्या है? [2]

(iii) यदि वक्ता सच में निर्दोष है, तो भी क्या संखिया (arsenic) मँगाने की धमकी देना संदेह दूर करने का एक नैतिक रूप से स्वीकार्य तरीका है? तर्क-सहित स्पष्ट कीजिए। [3]

(iv) मोहनबाबू कौन हैं? उन्हें क्या संदेह है? क्या उनका यह संदेह सही है? इस पर अपने विचार प्रकट कीजिए। [3]

Question 8.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यान्श को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए:

खीजत जात माखन खात ।
अरुण लोचन', भौंह टेढ़ी, बार-बार जम्हात' ।।
कबहूँ रुनझुन चलत घुटुरन, धूर धूसर गात ।
कबहुँ झुक के अलक खेंचत, नैन जल भर लात ।।
कबहुँ तुतरे बोल बोलत, कबहूँ बोलत तात ।
'सूर' हरि की निरखि सोभा, निमिख तजंत न मात ।।

(i) 'धूर धूसर गात' का क्या आशय है और यह श्रीकृष्ण के किस कृत्य को

दर्शाता है? [2]

(ii) सूरदास जी की तीन प्रमुख रचनाओं के नाम लिखते हुए बताइए कि उन्हें किस रस का सम्म्राट कहा जाता है और क्यों? [2]

(iii) माता यशोदा के जिस 'निमिख तजत न' भाव का वर्णन सूरदास ने किया है, उसका संबंध आजकल की माताओं द्वारा अपने बच्चे के वीडियो बनाने की आदत से किस प्रकार जोड़ा जा सकता है? [3]

(iv) शब्दार्थ लिखिए- [3]

अरुण , लोचन , जम्हात , गात- , अलक- , तात

Question 9.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यान्श को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

पानी बाढ़े नाव में, घर में बाढ़े दाम।
दोऊ हाथ उलीचिए, यही सयानो काम ।।
यही सयानो काम, राम को सुमिरन कीजै।
पर-स्वारथ के काज, शीश आगे धर दीजै ।।
कह 'गिरिधर कविराय', बड़ेन की याही बानी।
चलिए चाल सुचाल, राखिए अपना पानी ।।

(I) सयाना व्यक्ति कौन होता है? वह किस प्रकार का व्यवहार करता है? [2]

(II) कुंडली में 'नाव में पानी बढ़ना' और 'घर में दाम बढ़ना' के बीच कवि ने क्या समानता (Analogy) दर्शाई है? दोनों में क्या खतरा निहित है? [2]

(III) 'चलिए चाल सुचाल राखिए अपना पानी' का आशय स्पष्ट कीजिए। [3]

(IV) कवि के अनुसार, "चाल सुचाल" चलने और "अपना पानी" रखने के संबंध में 'बड़ेन की याही बानी' का महत्व क्या है? क्या आप कवि की इस बात से सहमत हैं? अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए। [3]

Question 10.

Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित पद्यान्श को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिंदी में लिखिए :

साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,

बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,

और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

भूख से सूख ओंठ जब जाते,

दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते?

घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।

(i) बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते' पंक्ति का क्या आशय है? [2]

(ii) भिक्षुक को देखकर कवि को महाभारत का कौन-सा पात्र याद आता है और क्यों? [2]

(iii) 'दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते? घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।'– इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है? [3]

(iv) क्या आप मानते हैं कि भिक्षुक को दाता और भाग्य-विधाता से कुछ न मिलना समाज की असफलता है? तर्क सहित अपना मत दीजिए। [3]

BEST OF LUCK